संसद सदस्यों ने श्री के.एस. हेगड़े को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 11 जून, 2014 : लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन के नेतृत्व में संसद सदस्यों ने पूर्व लोक सभा अध्यक्ष, श्री के.एस. हेगड़े के जन्मदिन के अवसर पर संसद के केंद्रीय कक्ष में उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

श्री हेगड़े को श्रद्धांजलि देने वाले अन्य विशिष्टजनों में राज्य सभा के उप सभापति प्रो. पी.जे. कुरियन; श्री एल.के. आडवाणी, केन्द्रीय मंत्री; संसद सदस्य और पूर्व संसद सदस्य शामिल थे। लोक सभा के महासचिव, श्री पी. श्रीधरन और राज्य सभा के महासचिव श्री शमशेर के. शेरिफ ने भी श्री हेगड़े को श्रद्धांजलि दी।

वहां उपस्थित विशिष्टजनों को लोक सभा सचिवालय द्वारा हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित श्री हेगड़े के जीवनवृत्त वाली पुस्तिका भेंट की गई।

श्री के.एस. हेगड़े एक विख्यात संसदविद और विधिवेत्ता थे। वह 1952 में पहली बार राज्य सभा के लिए चुने गए थे और 1957 में तत्कालीन मैसूर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त किए जाने पर त्यागपत्र दिए जाने तक सभा के सदस्य रहे। बाद में उन्होंने दिल्ली और हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। 1967 में उन्हें उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 30 अप्रैल, 1973 को त्यागपत्र देने तक वह इस पद पर बने रहे। 1977 में श्री हेगड़े दक्षिण बंगलौर निर्वाचन क्षेत्र से छठी लोक सभा हेतु चुने गए। श्री हेगड़े 21 जुलाई, 1977 को डा. नीलम संजीव रेड्डी द्वारा त्यागपत्र दिए जाने के पश्चात लोक सभा अध्यक्ष चुने गए। जनवरी, 1980 में लोक सभा अध्यक्ष का पद छोड़ने के बाद श्री हेगड़े कर्नाटक में अपने पैतृक स्थान में बस गए। श्री हेगड़े का 24 मई, 1990 को निधन हो गया।